RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-06
June-2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com[UGC Listed Journal]

# सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 विभालक्ष्मी

*एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, उ0प्र0*

**ARTICLE DETAILS**

**Article History**
*Published Online:* 10 June 2019

**Keywords**
सरकारी व गैर सरकारी स्कूल, शिक्षक, आत्म सम्प्रत्यय

***Corresponding Author**
*Email: vibhalaxmi09[at]gmail.com*

**ABSTRACT**

*देश के निर्माण तथा विकास में अध्यापक की अहम भूमिका होती है। अध्यापक ही है जो अपने विद्यार्थियो में ज्ञान का दीप जलाता है, उनका सर्वागीण विकास करता है तथा उन विद्यार्थियों की प्रतिभा, योग्यताओं व क्षमताओं को उजागार कर उनके आत्म विश्वास में वृद्धि करता है तथा उनकी स्वयं को पहचानने व स्वयं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायता करता है। यह तभी सम्भव है जब एक अध्यापक का आत्मसम्प्रत्यय सकारात्मक हो। आत्म सम्प्रत्यय से तात्पर्य व्यक्ति का स्वयं के प्रति अपने दृष्टिकोण से है। सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों के वातावरण, सुविधाओं तथा प्रक्रियाओं में भिन्नता होती है ये सभी कारक कही न कही शिक्षक के आत्म सम्प्रत्यय मे भिन्नता के कारण भी हो सकते हैं। इस शोध के द्वारा इसी भिन्नता को जानने का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत शोध के लिए विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया। मेरठ जनपद से यादृच्छित विधि के द्वारा 10 सरकारी व 10 गैर सरकारी स्कूलो को चुना। प्रत्येक स्कूल से 5 महिला व 5 पुरूष शिक्षक चुने गए इस प्रकार कुल न्यादर्श 200 शिक्षकों का था। आँकड़े एकत्रित करने के लिए डॉ मुक्ता रानी रस्तोगी द्वारा निर्मित आत्म सम्प्रत्यय मापनी का प्रयोग किया। आँकड़ो के विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रमाणित विचलन तथा टी मान का प्रयोग किया गया। विश्लेषणोपरान्त यह निस्कर्ष निकला कि सरकारी विद्यालयों में कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय में भिन्नता हैं। महिलाऐं पुरूषो की तुलना मे उच्च आत्म सम्प्रत्यय रखती हैं। गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय मे भी भिन्नता पायी गयी। इन स्कूलों की महिलाओं का आत्म सम्प्रत्यय पुरूषो की तुलना में उच्च पाया गया है। इसी प्रकार सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों में से सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष शिक्षको का आत्म सम्प्रत्यय उच्च है। साथ ही सरकारी व गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षकों में से सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षकों का आत्म सम्प्रत्यय उच्च पाया गया।*

## 1. प्रस्तावना

आत्म सम्प्रत्यय का अर्थ है व्यक्ति का स्वयं के प्रति अपना दृष्टिकोण कि व्यक्ति अपने बारे में क्या सोचता है। दूसरे शब्दो में आत्म–सम्प्रत्यय एक प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओ का बोध होता है तथा व्यक्ति के स्वयं के प्रति आचरण एवं व्यवहार को महत्व दिया जाता है।

अध्यापक आत्म सम्प्रत्यय से अभिप्राय है कि अध्यापक अपने बारे में क्या विचार रखता है? वह सकारात्मक विचार वाला है या नकारात्मक विचार वाला। वह हर बात को किस दृष्टिकोण से देखता है? वह अपने भविष्य के बारे मे क्या सोचता है? तथा क्या वह अपने भूतकाल से खुश है? इन सबका प्रभाव शिक्षक के व्यक्तित्व पर पड़ता है तथा इन्हीं बातों से शिक्षक का आत्म–सम्प्रत्यय प्रभावित होता है। शिक्षक को व्यवहार कुशल, उत्साही, जागरूक तथा सकारात्मक सोच वाला होना चाहिए। जिससे उसका आत्म सम्प्रत्यय सकारात्मक हो क्योंकि शिक्षक के आत्म सम्प्रत्यय का सीधा प्रभाव विद्यार्थी के भविष्य व विद्यालय की प्रगति पर पडता है। यदि अध्यापक अपने बारे में अच्छी सोच रखता है तो वह विद्यार्थीयों को भी अच्छा ज्ञान दे सकता है व उन्हे प्रोत्साहित कर सकता है और यदि अध्यापक स्वयं ही अपने बारे में नकारात्मक सोच रखता है तो ना ही वह विद्यालय के कार्यो मे बढ चढ कर हिस्सा ले सकता है और न ही विद्यार्थीयों का भला कर सकता है। इसलिए अध्यापक का आत्म सम्प्रत्यय उच्च होना चाहिये क्योंकि कहते हैं कि देश का निर्माण व विकास करने में अध्यापक की बहुत अहम भूमिका है।

सामान्य तौर पर ऐसा देखा गया है कि सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों का वेतन अच्छा होता है जिसके कारण उनकी जीवन–शैली भी अच्छी होती है। कार्य की सुरक्षा के प्रति उन्हें निश्चिन्तता होती है। उनके ऊपर काम का बोझ कम होता है तथा उन्हे निर्णय लेने की पूर्ण स्वतन्त्रता होती है उनके कार्य मे प्रबन्धको का किसी प्रकार का हस्तक्षेप नही होता। जिससे उनमे तनाव कम पाया जाता है। तनाव कम होने के कारण वे अपनी योग्यता का सही प्रयोग कर पाते है जिससे उनका अपने प्रति आत्म–सम्प्रत्यय भी उच्च होता है।

जब कि गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षको का वेतन कम होता है। उनकी जीवन–शैली ज्यादा अच्छी नही होती है। कार्य की सुरक्षा के प्रति वो हमेशा चिन्तित रहते है तथा उन्हें अपना कार्य करने की भी पूर्ण स्वतन्त्रता नहीं होती

RRIJM 2015, All Rights Reserved

है। प्रबन्धकों का बहुत ज्यादा हस्तक्षेप होता है तथा कार्यभार भी जरूरत से ज्यादा होता है जिससे उनमे तनाव पाया जाता है। तनाव ज्यादा होने के कारण उनका अपने प्रति आत्म–सम्प्रत्यय भी अच्छा नहीं होता है। इस धारणा मे कितनी सत्यता है यही जानने के लिए सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के आत्म–सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन करना आवश्यक समझा गया।

**2.0 परिसीमनः–**

प्रस्तुत शोध हेतु मेरठ जिले के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक परिषद से मान्यता प्राप्त माध्यमिक स्कूल ही चुने गये।

**3.0 शोध के उददेश्यः–**

1. सरकारी स्कूलों में कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन
2. गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन
3. सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन
4. सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन

**4.0 परिकल्पनाः–**

1. सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे कोई सार्थक अन्तर नही है।
2. गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे कोई सार्थक अन्तर नही है।
3. सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे सार्थक अन्तर नही है।
4. सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे सार्थक अन्तर नही है।

**5.0 शोध विधिः–**

प्रस्तुत शोध के लिए विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

**6.0 जनसंख्याः–**

मेरठ जनपद के उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलो को शोध की जनसंख्या के रूप मे लिया गया ।

**7.0 न्यादर्श प्रकियाः–**

**7.1 <u>स्कूलो का चयनः–</u>** ऑकडो को एकत्रित करने के लिए सामान्य यादृच्छित विधि के द्वारा मेरठ जिले से 10 सरकारी तथा 10 गैर सरकारी स्कूलो का चयन किया गया।

**7.2 <u>शिक्षको का चयनः–</u>** सउददेश्य विधि के द्वारा प्रत्येक स्कूल से 5 महिला शिक्षक तथा 5 पुरूष शिक्षको का चयन किया गया इस प्रकार 50–50 महिला व पुरूष शिक्षक सरकारी स्कूलों से तथा 50–50 महिला व पुरूष शिक्षक गैर सरकारी स्कूलों से लिए गए इस प्रकार कुल 200 शिक्षक न्यायर्श के रूप मे चुने गए।

**8.0 शोध उपकरणः–**

शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय को मापने के लिए डॉ मुक्ता रानी रस्तोगी द्वारा निर्मित आत्म सम्प्रत्यय मापनी का प्रयोग किया गया।

**9.0 सांख्यिकी प्रविधियॉः–**

आकडो के विश्लेषण व विवेचन हेतु मध्यमान, प्रमाणित विचलन तथा टीमान की गणना की गई।

**10.0 ऑकडो का विश्लेषण तथा विवेचनः–**

सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक विश्लेषण करने के लिए दोनो समूहो के आत्म सम्प्रत्यय मापनी पर प्राप्त प्राप्तांको के मध्यमान, प्रमाणित विचलन तथा मान की गणना की गई जिसका उददेश्यानेसार विवरण निम्नाकिंत है

**10.1 सरकारी स्कूलो में कार्यरत पुरूष व महिला शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन**

**सारणी–1 सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष व महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय प्राप्तांको का मध्यमान, प्रमाणित विचलन त्रुटी तथा टी–मान**

| क्रमांक | आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र | शिक्षक | शिक्षको की संख्या | प्राप्तांको के मध्यमान | प्रमाणित विचलन त्रुटी | टी–मान | परिणाम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता | पुरूष | 50 | 20.47 | 0.56 | 0.85 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 19.99 | | | |
| 2. | योग्यताए | पुरूष | 50 | 23.35 | 1.00 | 3.83** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 27.18 | | | |
| 3. | आत्म विश्वास | पुरूष | 50 | 19.95 | 0.86 | 0.57 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 20.44 | | | |
| 4. | आत्म स्वीकृति | पुरूष | 50 | 12.47 | 0.79 | 4.81** | सार्थक अन्तर है |

RRIJM 2015, All Rights Reserved

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | महिला | 50 | 16.27 | | | |
| 5. | काबिलियत | पुरूष | 50 | 25.35 | 0.80 | 0.28 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 25.13 | | | |
| 6. | र्वतमान,भूत तथा भविष्य | पुरूष | 50 | 16.60 | 0.81 | 0.41 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 16.27 | | | |
| 7. | विश्वास एव प्रतिबद्धता | पुरूष | 50 | 14.25 | 0.80 | 3.08** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 16.72 | | | |
| 8. | अपराध के रूप मे लज्जा का भावना | पुरूष | 50 | 13.21 | 0.70 | 1.49 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 14.25 | | | |
| 9. | सामाजिकता | पुरूष | 50 | 16.67 | 0.73 | 2.09* | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 15.14 | | | |
| 10. | सावेगिक | पुरूष | 50 | 10.82 | 0.65 | 3.26** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 12.94 | | | |
| | कुल आत्म सम्प्रत्यय | पुरूष | 50 | 17.34 | 0.48 | 2.27* | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 18.43 | | | |

df=98 सार्थकता स्तर .01=2.63**, .05= 1.98*

सारणी–01 के अवलोकन से विदित होता है कि सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष व महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 2. योग्यताए 3. आत्म विश्वास 4. आत्म स्वीकृति 5. काबिलियत 6. र्वतमान,भूत तथा भविष्य 7. विश्वास एव प्रतिबद्धता 8. अपराध के रूप मे लज्जा का भावना 9. सामाजिकता 10. सांवेगिक का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया, जिसमे दोनो समूहो के आत्म सम्प्रत्यय मे अन्तर की सार्थकता ज्ञात करने के लिए दोनो समूहो के मध्यमानो के बीच टी मान की गणना की गयी। सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूषो तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्रो 2. योग्यताए 4. आत्म स्वीकृति 7. विश्वास एव प्रतिबद्धता 9 सामाजिकता 10 सांवेगिक के मध्यमान के बीच टी मान के गणमान क्रमशः 3.83, 4.81, 3.08, 2.09, तथा 3.26 प्राप्त हुआ। जिसमे से क्षेत्र 9. सामाजिकता के अतिरिक्त सभी के टी मान स्वतन्त्रता अंश 98 के सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान 2.64 से ज्यादा है तथा क्षेत्र 9. सामाजिकता के मध्यमान के अन्तरो का टी मान स्वतंत्रता अंश 98 के सार्थकता स्तर .05 के सारण मान 1.98 से ज्यादा है परन्तु सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान 2.63 से कम है तात्पर्य है कि सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 2,4,7, तथा 10 के प्राप्तांको के मध्यमानो के बीच 99% तक सार्थक भिन्नता पायी गई है जबकि दोनो समूहो के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र सामाजिकता मे 95% भिन्नता है। सारणी का पुर्नअवलोकन करने पर विदित होता है कि पुरूष तथा महिला शिक्षक आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 3. आत्म विश्वास 5. काबिलियत 6. र्वतमान,भूत तथा भविष्य,तथा 8. आत्मग्लानी के रूप मे लज्जा की भावना के प्राप्तांको के मध्यमानो के बीच टी मान के गणनात्मक प्राप्तांक क्रमशः .85, .57, .28 तथा .41 तथा 1.49 प्राप्त हुए जो सार्थकता स्तर .05 के सारणी मान 1. 98 से कम है। तात्पर्य है कि दोनो समूह उपरोक्त क्षेत्रो मे समान आत्म सम्प्रत्यय दर्शातें हैं।

सारणी का गहन अवलोकन करने पर विदित होता है कि सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के कुल प्राप्तांको के मध्यमानो के बीच टी मान 2.27 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता अंश 98 के सार्थकता स्तर . 01 के सारणी मान 2.63 से कम है। जबकि सार्थकता स्तर . 05 के सारणी मान 1.98 से अधिक है। तात्पर्य है कि सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के कुल आत्म सम्प्रत्यय मे 95 प्रतिशत तक सार्थक भिन्नता है। अतः शून्य परिकल्पना ''सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे सार्थक अन्तर नही है।'' अस्वीकृत होती है।

### 10.2 गैर–सरकारी स्कूलो में कार्यरत पुरूष व महिला शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन

**सारणी 2 गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष व महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय प्राप्तांको का मध्यमान, प्रमाणित विचलन त्रुटी तथा टी–प्राप्तांक।**

| क्रमांक | आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र | शिक्षक | शिक्षको की संख्या | प्राप्तांको के मध्यमान | प्रमाणित विचलन त्रुटी | टी–मान | परिणाम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता | पुरूष | 50 | 19.19 | 0.41 | 2.87** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 18.01 | | | |
| 2. | योग्यताए | पुरूष | 50 | 22.22 | 0.86 | 4.32** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 25.94 | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3. | आत्म विश्वास | पुरूष | 50 | 15.72 | 0.43 | 7.06** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 18.76 | | | |
| 4. | आत्म स्वीकृति | पुरूष | 50 | 12.10 | 0.62 | 6.35** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 16.04 | | | |
| 5. | काबिलियत | पुरूष | 50 | 22.20 | 0.65 | 1.23 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 23.00 | | | |
| 6. | र्वतमान,भूत तथा भविष्य | पुरूष | 50 | 14.60 | 0.67 | 1.9 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 15.88 | | | |
| 7. | विश्वास एव प्रतिबद्धता | पुरूष | 50 | 12.88 | 0.38 | 1.05 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 13.88 | | | |
| 8. | अपराध के रूप मे लज्जा का भावना | पुरूष | 50 | 14.38 | 0.70 | 0.74 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 14.90 | | | |
| 9. | सामाजिकता | पुरूष | 50 | 14.88 | 0.60 | 3.7** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 12.66 | | | |
| 10. | सावेगिक | पुरूष | 50 | 12.30 | 0.50 | 0.08 | सार्थक अन्तर नही है |
| | | महिला | 50 | 12.26 | | | |
| | कुल आत्म सम्प्रत्यय | पुरूष | 50 | 15.78 | 0.42 | 4.62** | सार्थक अन्तर है |
| | | महिला | 50 | 17.73 | | | |

df=98, सार्थकता स्तर .01 = 2.63** .05 = 1.98*

सारणी .02 के अवलोकन विदित होता है कि गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष व महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 2. योग्यताए 3. आत्म विश्वास 4. आत्म स्वीकृति 5. काबिलियत 6. र्वतमान,भूत तथा भविष्य 7. विश्वास एव प्रतिबद्धता 8. अपराध के रूप मे लज्जा का भावना 9. सामाजिकता 10. सावेगिक का तुलनात्मक विश्लेषण के लिए दोनो समूहो के आत्म सम्प्रत्यय मध्यमानो के बीच टी मान ज्ञात कर सार्थक अन्तर ज्ञात किया गया है। पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 2. योग्यताए 3. आत्म विश्वास 4. आत्म स्वीकृति तथा 9 सामाजिकता के टी मान क्रमशः 2. 87, 4.32, 7.06, 6.35 तथा 3.7 प्राप्त हुए। जो स्वतन्त्र अशं 98 के सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान 2.63 से ज्यादा है तात्पर्य है कि दोनो समूहों के आत्म सम्प्रत्यय के उपरोक्त क्षेत्रो मे सार्थक अन्तर है। जबकि दोनो समूहों के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 5. काबिलियत 6. र्वतमान,भूत तथा भविष्य 7. विश्वास एव प्रतिबद्धता 8. अपराध के रूप मे लज्जा का भावना तथा 10. सावेगिक के मध्यमानो के बीच टी मान क्रमशः 1.23, 1.9, 1. 05, .74 तथा .08 प्राप्त हुआ जो स्वतंत्रता अंश 98 के सार्थकता स्तर .05 के सारणी मान 1.98 से कम है। तार्त्पय है कि दोनो समूहो के वर्णित क्षेत्रो मे सार्थक अन्तर नही है। सारणी का गहन अवलोकन करने पर विदित होता है कि गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के कुल प्राप्तांको के मध्यमानो के बीच टी मान 4.62 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता अंश 98 के सार्थकता .01 के सारणी मान 2.63 से अधिक है तात्पर्य है कि गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के कुल आत्म सम्प्रत्यय मे 99% तक सार्थक अन्तर है।अतः शून्य परिकल्पना ''गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे सार्थक अन्तर है।'' अस्वीकृत होती है।

### 10.3 सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन।

**सारणी 03 सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय के प्राप्तांकों के मध्यमान, प्रमाणित विचलन त्रुटि, तथा टी मान**

| क्रमांक | आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र | शिक्षक | शिक्षकों की संख्या | प्राप्तांको के मध्यमान | प्रमाणित विचलन त्रुटी | टी–प्राप्तांक | परिणाम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता | सरकारी | 50 | 20.47 | 0415 | 3.08** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 19.19 | | | |
| 2. | योग्यताए | सरकारी | 50 | 23.35 | .588 | 1.92 | सार्थक अन्तर नहीं है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 22.22 | | | |
| 3. | आत्म विश्वास | सरकारी | 50 | 19.95 | .391 | 10.82** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 15.72 | | | |
| 4. | आत्म स्वीकृति | सरकारी | 50 | 12.47 | .50 | 0.74 | सार्थक अन्तर नहीं है |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | गैर सरकारी | 50 | 12.10 | | | |
| 5. | काबिलियत | सरकारी | 50 | 25.35 | .538 | 5.83** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 22.20 | | | |
| 6. | वर्तमान,भूत तथा भविष्य | सरकारी | 50 | 16.60 | .291 | 6.87** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 14.50 | | | |
| 7. | विश्वास एव प्रतिबद्धता | सरकारी | 50 | 14.25 | .163 | 8.38** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 12.88 | | | |
| 8. | अपराध के रूप मे लज्जा की भावना | सरकारी | 50 | 13.21 | .448 | 2.61* | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 14.38 | | | |
| 9. | सामाजिकता | सरकारी | 50 | 16.67 | .445 | 4.20** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 14.88 | | | |
| 10. | सावेगिक | सरकारी | 50 | 10.82 | .378 | 3.92** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 12.36 | | | |
| 11. | कुल आत्म सम्प्रत्यय | सरकारी | 50 | 17.55 | .46 | 2.99** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 16.18 | | | |

df = 98, सार्थकता स्तर .05, = 1.98*, .01 = 2.63 **

सारणी 03 के अवलोकन से विदित होता है कि सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के सभी क्षेत्रो का तुलनात्मक विश्लेषण के लिए दोनो समूहो के आत्म सम्प्रत्यय के प्राप्तांको के मध्यमानो के बीच टी मान की गणना की गई है। सरकारी व गैर सरकारी शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 3. आत्म विश्वास 5. काबिलियत 6. वर्तमान,भूत तथा भविष्य 7. विश्वास एव प्रतिबद्धता 8. अपराध के रूप मे लज्जा का भावना 9. सामाजिकता 10. सावेगिक के प्राप्तांको के मध्यमानो के बीच टी मान क्रमशः 3.08, 10.82, 5.83, 6.86, 8.38, 2.61, 4.20, तथा 3.92 प्राप्त हुए जिनमें से क्षेत्र 8 के अतिरिक्त अन्य सभी स्वतंत्रता अंश 98 के सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान 2.68 से अधिक है तात्पर्य है कि सरकारी व गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के उपरोक्त क्षेत्रो मे 99 प्रतिशत सार्थक भिन्नता है। जबकि अपराध के रूप में लज्जा की भावना के मध्यमानों के बीच टी मान 2.61 प्राप्त हुआ जोकि सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान से कम है जबकि सार्थकता स्तर .05 के सारणी मान से अधिक है। तात्पर्य है कि दोनों समूहों के पुरूष शिक्षकों की लज्जा भावना में 95 प्रतिशत तक भिन्नता है। सारणी का पुर्न अवलोकन करने पर विदित होता है कि सरकारी व गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 2. योग्यताए तथा आत्म सम्प्रत्यय स्वीकृती के प्राप्तांको के मध्यमान के बीच टी मान 1.92 तथा .74 प्राप्त हुए जो कि स्वतंत्रता अंश 98 पर सार्थकता स्तर .05 के सारणी मान 1.98 से कम है तात्पर्य है कि दोनों समूहों की योग्यता में सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी का गहनतापूर्वक अवलोकन करने पर विदित होता है कि सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय के कुल प्राप्तांकों के मध्यमानके बीच टी मान 2.99 प्राप्त हुआ जोकि स्वतंत्रता अंश 98 पर सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान 2.63 से कम है तात्पर्य है कि दोनों समूहों के कुल आत्म सम्प्रत्यय में सार्थक अन्तर है। कुल आत्म सम्प्रत्यय में सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक उच्च है क्योंकि उनके प्राप्तांको के मध्यमान गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के प्राप्तांकों के मध्यमान से अधिक है।

अतः शून्य परिकल्पना ''सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय में अन्तर नहीं है।'' अस्वीकृत होती है।

### 10.4 सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन।

**सारणी 04 सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत महिला शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय के प्राप्तांकों के मध्यमान, प्रमाणित विचलन त्रुटि, तथा टी मान**

| क्रमांक | आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र | शिक्षक | संख्या | प्राप्तांको के मध्यमान | प्रमाणित विचलन त्रुटी | टी–प्राप्तांक | परिणाम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता | सरकारी | 50 | 19.99 | .349 | 5.67** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 18.01 | | | |
| 2. | योग्यताऐं | सरकारी | 50 | 27.18 | .51 | 2.42* | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 25.94 | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3. | आत्म विश्वास | सरकारी | 50 | 20.44 | .39 | 4.28** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 18.76 | | | |
| 4. | आत्म स्वीकृति | सरकारी | 50 | 16.27 | .52 | .44 | सार्थक अन्तर नहीं है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 16.54 | | | |
| 5. | काबिलियत | सरकारी | 50 | 25.13 | .53 | 4.04** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 23.00 | | | |
| 6. | वर्तमान,भूत तथा भविष्य | सरकारी | 50 | 16.27 | .55 | .71 | सार्थक अन्तर नहीं है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 15.88 | | | |
| 7. | विश्वास एव प्रतिबद्धता | सरकारी | 50 | 16.72 | .11 | 8.33** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 13.28 | | | |
| 8. | अपराध के रूप मे लज्जा का भावना | सरकारी | 50 | 14.25 | .45 | 1.44 | सार्थक अन्तर नहीं है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 14.90 | | | |
| 9. | सामाजिकता | सरकारी | 50 | 15.14 | .45 | 5.4** | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 12.66 | | | |
| 10. | सावेगिक | सरकारी | 50 | 12.94 | .40 | 1.6 | सार्थक अन्तर नहीं है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 12.26 | | | |
| | कुल आत्म सम्प्रत्यय | सरकारी | 50 | 18.05 | .464 | 2.28* | सार्थक अन्तर है |
| | | गैर सरकारी | 50 | 16.99 | | | |

df = 98, सार्थकता स्तर .05, = 1.98*, .01 = 2.63 **

सारणी का अवलोकन करने पर विदित होता है कि सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के सभी क्षेत्रो 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 2. योग्यताऐं 3. आत्म विश्वास 5. काबिलियत 6. विश्वास एव प्रतिबद्धता 7. सामाजिकता के प्राप्तांको के मध्यमानो के बीच टी मान क्रमशः 5.67, 2.42, 4.28, 4.04, 8.33 तथा 5.4 प्राप्त हुए। जिनमे से योग्यता के अतिरिक्त अन्य सभी क्षेत्र के टी मान स्वतंत्रता अंश 98 के सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान 2.68 से अधिक है तात्पर्य है कि सरकारी व गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको के उपरोक्त वर्णित क्षेत्रो मे 99% तक सार्थक भिन्न्ता है। जब कि दोनो समूहो के शिक्षकों की योग्यताओं के प्राप्तांको के बीच टी मान 2.42 स्वतंत्रता अंश 98 पर सार्थकता स्तर .05 के सारणी मान 1.98 से अधिक जबकि सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान 2.68 से कम है तात्पर्य है कि दोनो समूहो की योग्यता मे 95% तक सार्थक भिन्नता है। सारणी का पूर्वालोकन करने पर विदित होता है कि सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत महिला शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र (4) आत्म स्वीकृति (6) वर्तमान, भूत, भविष्य तथा (10) सांवेगिकता के प्राप्तांकों के बीच टी मान क्रमशः .44, .71, 1.44 तथा 1.6 प्राप्त हुआ जोकि स्वतंत्रता अंश 98 के सार्थकता स्तर .05 के सारणी मान 1.98 से कम है। तात्पर्य है कि दोनो समूह उपरोक्त क्षेत्रो मे समान आत्म सम्प्रत्यय दर्शातें हैं।

सारणी का गहन अवलोकन करने पर विदित होता है कि दोनो समूहो के आत्म सम्प्रत्यय के कुल प्राप्तांको के मध्यमानो के बीच टी मान 2.28 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता अंश 98 के सार्थकता स्तर .01 के सारणी मान 2.68 से कम है परन्तु सार्थकता स्तर .05 के सारणी मान 1.98 से अधिक है तात्पर्य है कि दोनो समूहो के कुल आत्म सम्प्रत्यय मे 95% तक भिन्नता है।अतः शून्य परिकल्पना ''सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे अन्तर नही है।'' अस्वीकृत होती है।

## 11.0 शोध निष्कर्षः–

सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के तुलनात्मक विश्लेषणोप्रान्त निम्नांकित निष्कर्ष पर पहुचते है–

11.1 सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष व महिला शिक्षको की आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 2. योग्यताए 4. आत्म स्वीकृति 7. विश्वास एव प्रतिबद्धता 9. सामाजिकता 10. सावेगिक के बीच सार्थक अन्तर है। आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 2,4,7 तथा 10 मे पुरूष शिक्षको का आत्म सम्प्रत्यय महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय से कम है क्योकि पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय प्राप्तांको के मध्यमान महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के मध्यमान से कम है। जबकि क्षेत्र 9 मे महिला शिक्षको का आत्म सम्प्रत्यय स्तर पुरूष शिक्षको से कम है क्योकि इन क्षेत्रो मे महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय का मध्यमान पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के मध्यमान से कम है। दूसरी ओर लक्षित वर्ग के पुरूष व महिला शिक्षकों के आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 3. आत्म विश्वास 5. काबिलियत 6. वर्तमान, भूत तथा भविष्य तथा 8 आत्म ग्लानी के रूप

मे लज्जा की भावना मे समान स्तर के है क्योकि इनके मध्यमानो के बीच कोई सार्थक अन्तर नही है। सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के तुलनात्मक विश्लेषण पर दृष्टिपात करे तो निष्कर्ष निकलता है कि महिला शिक्षको का आत्म सम्प्रत्यय पुरूष शिक्षको की तुलना मे उच्च है क्योकि महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के प्राप्तांको के मध्यमान पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय के प्राप्तांक के मध्यमान से कम है।

11.2 गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष व महिला शिक्षको की आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 9 सामाजिकता के बीच सार्थक अन्तर है क्षेत्र 1. स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता 2. योग्यताए , 3. आत्म विश्वास 4. आत्म स्वीकृति तथा 9 सामाजिकता मे महिला शिक्षको की तुलना मे पुरूष शिक्षक उच्च है जबकि योग्यताए आत्मविश्वास तथा आत्म स्वीकृति मे महिला शिक्षको का आत्म सम्प्रत्यय पुरूषो की तुलना मे ज्यादा अच्छा है जबकि आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र काबिलियत, र्वतमान,भूत तथा भविष्य, विश्वास एव प्रतिबद्धता, अपराध के रूप मे लज्जा का भावना, तथा सावेगिक मे पुरूष व महिला शिक्षको मे कोई सार्थक अन्तर नही है। गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत पुरूष तथा महिला शिक्षको के कुल आत्म सम्प्रत्यय के तुलनात्मक विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि महिलाओ तथा पुरूष शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे सार्थक भिन्नता है महिला शिक्षक पुरूष शिक्षको की तुलना मे उच्च आत्म सम्प्रत्यय रखती है। क्योकि महिला शिक्षको के प्राप्तांको का मध्यमान पुरूष शिक्षको के प्राप्तांको के मध्यमान से ज्यादा है।

11.3 सरकारी स्कूलों में कार्यरत पुरूष शिक्षक आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र (1) स्वास्थ्य तथा लिंग उपयुक्तता (3) आत्मविश्वास (5) काबिलियत (6) वर्तमान, भूत तथा भविष्य (7) विश्वास तथा प्रतिबद्धता तथा (9) सामाजिकता में गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों से उच्च पाये गये क्योंकि सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के उपरोक्त वर्णित क्षेत्रों के प्राप्तांकों के मध्यमान गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के मध्यमानों से ज्यादा पाये गये जबकि गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र (8) आत्मग्लानि के रूप में लज्जा की भावना तथा (10) सांवेगिकता में सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों से उच्च है। वही दूसरी ओर दोनों लक्षित वर्गों के शिक्षकों की योग्यताऐं समान हैं और उनमें कोई सार्थक भिन्नता नहीं है। दोनों वर्गों में से सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों का सम्पूर्ण आत्म सम्प्रत्यय उच्च पाया गया।

11.4 सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय मे तुलनात्मक विश्लेषण उपरान्त निष्कर्ष निकलता है कि आत्म सम्प्रत्यय के क्षेत्र (1) स्वास्थ्य एव लिंग उपयुक्तता (3) आत्म विश्वास, (5) काबिलियत , (9) सामाजिकता मे सरकारी महिला शिक्षक गैर सरकारी महिला शिक्षको से उच्च है क्योकि इनके उपरोक्त वर्णित क्षेत्रो के प्राप्तांको के मध्यमान गैर सरकारी महिला शिक्षको की तुलना मे अधिक है और उनमे सार्थक अन्तर भी है। जबकि क्षेत्र आत्म स्वीकृती तथा विश्वास व प्रतिबद्धता मे गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षक सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको की तुलना मे उच्च सार्थक अन्तर दर्शाती है। परन्तु कुल आत्म सम्प्रत्यय सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको का ही उच्च है क्योकि उनका मध्यमान गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत महिला शिक्षको से उच्च है तथा सार्थक भिन्नता भी है।

शोध परीणामों से निष्कर्ष निकलता है कि सरकारी स्कूलों में कार्यरत महिला शिक्षक पुरूष शिक्षकों की तुलना में उच्च आत्म सम्प्रत्यय वाली होती हैं। तथा गैर सरकारी स्कूलों में भी कार्यरत महिला शिक्षक ही पुरूष शिक्षकों से उच्च आत्म सम्प्रत्यय वाली होती हैं। कारण हो सकता है कि महिलाएं स्वभावतः कर्मठ जिम्मेदार तथा मेहनत में विश्वास करने वाली, कार्य के प्रति प्रतिवद्व तथा संवेदनशील होती हैं, इन गुणों के कारण इनकी योग्यताएं आत्म स्वीकृति आत्मविश्वास, विश्वास तथा प्रतिबद्वताएं एवं सावेगिकता पुरूष शिक्षकों की तुलना में उच्च होती हैं, जबकि स्वास्थय एंव लिंग उपयुक्तता तथा सामाजिकता पुरूष शिक्षकों का उच्च होता है।

सरकारी स्कूलों में कार्यरत महिला शिक्षक गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत महिला शिक्षिकाओं से उच्च आत्म सम्प्रत्यय दर्शाती हैं। इसी प्रकार सरकारी स्कूलों में कार्यरत पुरूष शिक्षक गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों की तुलना में उच्च आत्म सम्प्रत्यय वाले होते हैं। कारण हो सकता है सरकारी स्कूलों का खुला वातावरण, शिक्षकों का ज्यादा वेतन, सुख–सुविधायें तथा नौकरी की सुरक्षा का भाव ये सभी कारक उनके आत्म सम्प्रत्यय को उच्च करते हैं।

## 12.0 शोध परिणामो के शैक्षिक निहितार्थः–

### 12.1 प्रशासको एवं प्राचार्यो हेतु सुझावः–

1. सरकारी व गैर सरकारी स्कूलो मे कार्यरत शिक्षको के आत्म सम्प्रत्यय को सुधारने के लिए सरकार विशेष कार्यक्रमो एंव संगोष्ठियो का आयोजन करे तथा इसमे भाग लेने वाले शिक्षको को वेतन तथा टीए तथा डीए भी प्रदान करे। इन संगोष्ठियो मे व्यवसायिक ज्ञान, नैतिक ज्ञान, पाठय सहगामी क्रियाओ, कक्षा–कक्षा

RRIJM 2015, All Rights Reserved 

प्रबन्ध तथा शिक्षक व्यवहार से सम्बन्धित आवश्यक तथ्यो का भी ज्ञान प्रेक्षित किया जाये जिससे शिक्षको की प्रभावशीलता के साथ उनके व्यवहार मे भी सकारात्मक विकास हो सके।

2. गैर सरकारी विद्यालयो के शिक्षको हेतु सरकार एंव प्रशासक धन की कमी को पूरा करने का प्रयास करे तथा गैर सरकारी शिक्षको के वेतन व अन्य सुविधाओ को बढाने का प्रयास करे।
3. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयो के प्राचार्या को शिक्षको पर विश्वास, प्रशंसा, प्रोत्साहन, सहायता, मदद एंव सहानुभूति की भावना प्रदर्शित करनी चाहिए।
4. शिक्षको को विद्यालय मे हर सुविधाऐ देने का प्रयास किया जाये।
5. शिक्षको के लिए निर्देशन तथा परामर्श की व्यवस्था की जाए।
6. अध्यापको को स्व अभिव्यक्ति करने के अधिक से अधिक अवसर दे।

### 12.2 अध्यापक हेतु सुझावः–

1. अध्यापको को किसी भी परिस्थिति मे सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए।
2. अध्यापको को अपने आप को किसी और व्यवसायी (डॉक्टर, इंजीनियर) से कम नही समझना चाहिए तथा अपने व्यवसाय को सकारात्मक दृष्टि से देखना चाहिए।
3. अध्यापको को चाहिए कि वह अपने आत्म सम्प्रत्यय को उॅचा उठाने के लिये महान व्यक्तियो के बारे मे पढे तथा उनके जीवन की अच्छाइयो को अपने अन्दर ग्रहण करे।
4. अध्यापको को अपने अन्दर सहनशीलता, सहयोग व मैत्रीपूर्ण जैसे गुणो को बढाना चाहिये।

## संदर्भः–


1. अख्तर, प्रवीन राविया एण्ड बेगम, अक्लिमा (2014), ''ए स्टडी ऑफ सैल्फ कॉन्सैप्ट ऑफ वूमैन बैंकर्स ऑफ नेशनलाइस्ड बैंक्स एंड अदर बैंक्स'' रिव्यू ऑफ लिटिरेचर Vol 2 (4) नवम्बर 2014, कोलन कालेज, गर्वनमैंट ऑफ असम एण्ड गोहाटी, http://www.oldrol.lbp.world
2. करीम, जे (2014) ''ऐ स्टडी इन दा सैल्फ कान्सेप्ट ऑफ टीचर्स वर्किंग इन गवरमेन्ट एडिड एण्ड अनएडिड कालेज इन बंगलोर http://www.journals.sanepub.com
3 गलोटोवा, गलीना एण्ड विलियम, अनजेलिका (2014) ''टीचर्स सैल्फ कोन्सेप्ट एण्ड सैल्फ एस्टीम इन पीडागोजिकल कमुनिकेशन'' प्रोसीडिया–सोशल एण्ड बिहेवियरल साइन्स, 132 (2014), http://www.sciencedirect.com
4. जाल्टकोबिक, बलोगिका एण्ड स्टोजिलकोविक सीजआना (2013) ''सैल्फ कोन्सेप्ट एण्ड टीचर्स प्रोफेसनल रोल्स प्रोसीडिया–सोशल एण्ड बिहेवियरल साइन्स, ICEEPSY, http://www.sciencedirect.com
5 बर्न, रोबर्ट बी (1982) ''द सैल्फ कान्सेप्ट इन टीचर्स एजूकेशन'' साउथ पैसिफिक जरनल, टीचर ऐजूकेशन, http://www.tandfonline.com
6 मिश्रा, श्री कृष्णा एण्ड यादव, बर्दी (2012) ''ए स्टडी आफ सैल्फ कान्सेप्ट एण्ड इन्ट्रेस्ट इन टीचिंग आफ प्री सरविस टीचर आफ सैक्न्ड्री लेवल, इनटरनेशनल जरनल आफ एडवान्समैंट इन रीर्सच एंड टैक्नोलोजी, Vol-5, अक्टूबर 2012 ISSN 2278 7763, http://www.ijoart.org
7 रोशे, लोरेन्स एण्ड मार्श, हरबेन्ट डब्लू (2002), ''टीचर्स सैल्फ कोन्सेप्ट हायर ऐजूकेशन'', http://www.link.springer.com
8 स्टीम्स, कैथरीन इ, (2017), ''रीलेशनशिप बिटवीन सैल्फ कान्सेप्ट एक्सपैक्टशन एण्ड एकेडमिक एचीवमेन्ट एन एनालिसीस आफ सोसल इमोशनल वैल बीइंग एण्ड इटस रीलेसन टू क्लास रूम परफॉरमैंस'', पी0एच0डी0 थीसीस, सैकेड हार्ट यूनीर्वसीटी, http://www.pdfs.semanticscholar.org
9 सिद्दी, राजू, एस0 (2013), ''इमपैक्ट ऑफ सैल्फ कोन्सेप्ट आन स्कोलैस्टिक अचिवमैन्ट आफ 9 कलास स्टूडैन्ट इन फीजिकल साइन्स'' IOSR जरनल ऑफ हयूमैनिटीज एण्ड सोसल साइन्स, Vol. 9(5), http://www.iosrjournals.org
10 सिंह, सतनाम एण्ड सिह, निरमल (2015), ''कम्पेरिजन ऑफ सैल्फ कोन्सप्ट बिटविन प्लेयर एण्ड नोन प्लेयर यूनिवरसीटी स्टूडैन्ट'' इन्टरनैशनल एजुकेशनल ई जरनल ISSN 2277 2456 Vol IV (3) 2015.


RRIJM 2015, All Rights Reserved 